



# जय राजस्थान

दक्षिणी राजस्थान का पहला दैनिक

संस्थापक : स्व. श्री चन्द्रेश व्यास

डाक पंजीयन : R/J/UD/29-45/2024-2026 (शाखा-शास्त्री स्कूल, उदयपुर)  
RNI No. 23554/1972

वर्ष : 52 फोन नम्बर : 2487066,  
अंक : 231 सम्पादक-9829044996

उदयपुर, शुक्रवार  
15 नवम्बर 2024

Email : jai.rajasthan@hotmail.com  
jai.rajasthan72@gmail.com

मूल्य : दो रूपया  
पेज : 4

## 'संविधान उन्हें खाली लगता है क्योंकि.....'

महाराष्ट्र में राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर बोला हमला



नई दिल्ली, 14 नवम्बर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के नंदुरबार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि संविधान की लाल किताब कोरी है क्योंकि उन्होंने इसे कभी नहीं पढ़ा है। गांधी ने कहा कि संविधान में भारत की आत्मा और बिरसा मुंडा, डॉ बी आर अंबेडकर और महात्मा गांधी जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों द्वारा परिकल्पित सिद्धांत शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि मैं जनसभाओं में जो संविधान दिखाता हूँ, वो खाली है। नरेंद्र मोदी जी के लिए संविधान खाली है, क्योंकि उन्होंने कभी इसे पढ़ा ही नहीं है। वे कहते हैं कि राहुल गांधी लाल रंग का संविधान दिखाता है। मोदी जी, इसके रंग से हमें फर्क नहीं पड़ता, लेकिन जो इसके अंदर लिखा है, हम उसकी रक्षा के लिए जान देने को तैयार हैं। दरअसल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपने अभियान में गांधी द्वारा प्रदर्शित लाल किताब को शहरी नक्सलवाद से जोड़ने की कोशिश की। वहीं, गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी और भाजपा ऐसी टिप्पणियां करके राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान में आपको 'आदिवासी' नाम दिया गया है। लेकिन बीजेपी-आरएसएस के लोग आपको 'वनवासी' कहते हैं। आदिवासी और वनवासी में बहुत बड़ा फर्क है। आपके इसी अधिकार को बचाने के लिए बिरसा मुंडा जी अंग्रेजों से लड़े थे। आज यही सोच लेकर नरेंद्र मोदी और ऋद्धक के लोग घूम रहे हैं।

विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घोषणापत्र पर प्रकाश डालते हुए, गांधी ने कहा कि महिलाओं, किसानों और युवाओं को 3,000 रुपये मासिक सहायता और मुफ्त बस यात्रा, 3 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफी और 4,000 रुपये प्रति माह सहायता जैसे प्रावधानों से संरक्षित किया जाएगा। बेरोजगार युवा, उन्होंने जाति जनगणना की मांग दोहराते हुए कहा कि इससे महाराष्ट्र में आदिवासियों, दलितों और पिछड़े वर्गों की संख्या और संसाधनों में उनकी हिस्सेदारी का पता लगाने में मदद मिलेगी।

गांधी ने दावा किया कि वर्तमान में आठ प्रतिशत आदिवासी आबादी में से निर्णय लेने में उनकी हिस्सेदारी केवल एक प्रतिशत है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महाराष्ट्र से पांच लाख नौकरियां छीन ली गई हैं क्योंकि विभिन्न बड़ी परियोजनाओं को दूसरे राज्यों में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार इसकी इजाजत नहीं देगी।

## कांग्रेस ने गरीबी हटाने के नाम पर गरीबों को लूटा पीएम मोदी का बड़ा आरोप, वोट पाने के लिए देश के साथ कर रहे खिलवाड़

नई दिल्ली, 14 (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पनवेल में विशाल जनसभा संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र को विकसित भारत के विजन का नेतृत्व करना है, बीजेपी और महायुति इसी संकल्प को लेकर काम कर रहे हैं।

अपने संबोधन की शुरुआत में मोदी ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे एक बार फिर रायगढ़ की इस मिट्टी को फिर से नमन करने का अवसर मिला है। रायगढ़ से मेरा एक आत्मीय और भावात्मक संबंध है। उन्होंने कहा कि 2013 में जब भाजपा ने मुझे पीएम पद का उम्मीदवार बनाया था, तब मैंने रायगढ़ किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया था।



मोदी ने कहा कि 23 तारीख को जो नतीजे आने वाले हैं, उसको गारंटी यहां दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें स्वराज की शपथ दिलाई थी। हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वराज के साथ-साथ सुराज के संकल्प को आगे बढ़ाना है। स्वराज का ये संकल्प तब पूरा होगा जब हमारा गरीब आगे बढ़ेगा। इस संकल्प की सिद्धि का काम केवल भाजपा और महायुति सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने तो हमेशा गरीब को गरीब बनाए रखने के एजेंडे पर ही काम किया है। पीढ़ी दर पीढ़ी ये लोग केवल गरीबी हटाओ का ब्रूटा नारा देते रहे। गरीबी हटाओ के नारे के नाम पर कांग्रेस ने गरीबों को ही लूट लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसलिए मेरा गरीब, जिंदगी की मुश्किलों से बाहर नहीं आ पाया। आजादी के 70 साल बाद भी देश के ज्यादातर लोग रोटी, कपड़ा और मकान पाने के लिए जूझते रहे। पिछले 10 वर्षों में पहली बार ये हालात बदले हैं। पहली बार कोई सरकार 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाई

है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार की नीतियां आज शोषितों और वंचितों की ताकत बन रही हैं। जो काम 10 साल में हुए, वो काम पहले भी हो सकते थे। लेकिन कांग्रेस की सरकारों की मंशा ही नहीं थी कि गरीब आगे आकर अपना हक मांगे। इसलिए आज भी कांग्रेस गरीबों के लिए कल्याण की हर योजना का जमकर विरोध करती है।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि जो 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, उन्हें मुफ्त राशन क्यों मिल रहा है। कांग्रेस चाहती है कि इन लोगों का खर्च बढ़े और ये फिर से गरीबी में चले जाएं। अगर अघाड़ी वालों को मौका मिला तो ये महाराष्ट्र में यही करेंगे।

## आप के महेश खींची बने एमसीडी के नए मेयर, बीजेपी उम्मीदवार किशनलाल को हराया, कांटे की रहीं टक्कर

नई दिल्ली, 14 नवम्बर (एजेंसी)। दिल्ली में आज हुए मेयर चुनाव के नतीजे आ गए हैं। एमसीडी में एक बार फिर से आम आदमी पार्टी का मेयर बन गया है। आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार महेश खींची ने दिलचस्प मुकाबले में भाजपा उम्मीदवार किशन लाल को तीन वोटों से हराया है। दरअसल, गुरुवार को दिल्ली नगर निगम में मेयर डिप्टी मेयर पद के चुनाव हुए। मेयर पद के लिए कुल 265 वोट पड़े जिनमें से दो वोटों को अमान्य कर दिया गया। आप उम्मीदवार महेश खींची को जहां 133 वोट मिले वहीं भाजपा उम्मीदवार किशनलाल को 130 वोट से संतोष करना पड़ा।



से में दिल्ली में 7 महीने की देरी के बाद नए मेयर मिल गया है। महेश खींची शैली ओबेरॉय की जगह लेंगे। अब तक शैली ओबेरॉय एक्सपेंशन पर थीं। दिल्ली में हर साल मेयर का चुनाव अप्रैल में होता है। लेकिन इस साल यह चुनाव 7 महीने की देरी से हुई। इसका कारण यह है कि पीठासीन अधिकारी तय करने वाली फाइल यह कहकर लौटा दी गई थी कि इस पर सीएम का रिकमेंडेशन नहीं है। उस वक्त दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में थे। लिहाजा वो रिकमेंड नहीं कर पाए जिसकी वजह से दिल्ली में मेयर का चुनाव लंबित रहा।

दिल्ली में 2022 में निगम के चुनाव हुए थे जिसमें आम आदमी पार्टी के 134 पार्षद जीतकर आए थे। वहीं, कांग्रेस ने दिल्ली में मेयर चुनाव का बहिष्कार किया। पार्टी ने कहा कि वह चाहती है कि नया मेयर, एक दलित, पूरे एक साल का कार्यकाल पूरा करे, न कि छोटा कार्यकाल, जो अगले साल अप्रैल में समाप्त होगा। नाम न छपने की शर्त पर एक कांग्रेस पार्षद ने कहा कि हम सदन में उपस्थित होंगे लेकिन मतदान से दूर रहेंगे। हम चाहते हैं कि दलित मेयर को सिर्फ चार महीने के बजाय पूरा कार्यकाल मिले।

## आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान में संचार सेतु प्लेटफॉर्म का उद्घाटन



उदयपुर, 14 नवम्बर (सूजस)। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग एवं युएनएफपीए के संयुक्त तत्वावधान में माणिक्य लाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान में ऑनलाइन माध्यम से जनजाति आवासीय विद्यालयों के छात्रों से जीवन कौशल शिक्षा पर संवाद

स्थापित करने के उद्देश्य से संचार सेतु डिजिटल स्मार्ट क्लासरूम का शुभारंभ किया गया। यह किशोरों को स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने में सहायक होगा। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता टीएडी आयुक्त सुश्री प्रजा केवलरामानी ने की। मुख्य अतिथि युएनएफपीए

## स्कूल, स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम

को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और उपकरणों से लैस करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि संचार सेतु जैसे प्लेटफॉर्म सीधे जनजातीय क्षेत्रों के युवाओं तक पहुंच बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सुश्री रोल्स ने युएनएफपीए को इस प्रकार की पहलों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए युवा पीढ़ी के समग्र विकास में स्वास्थ्य और कल्याण की भूमिका पर प्रकाश डाला। संचार सेतु किशोरों को पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता और निवारक स्वास्थ्य देखभाल जैसे विषयों पर विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध कराएगा, जिससे जनजातीय क्षेत्रों के युवाओं में जागरूकता और स्वास्थ्य सुधार को प्रोत्साहन मिलेगा।



## पढ़ाई के लिए किराये पर रह रहे छात्रों को सरकार देगी हर महीने 2000 रुपये

उदयपुर, 14 नवम्बर (सूजस)। पढ़ाई के लिये जो छात्र घर से दूर किराये के मकान में रह कर जिला मुख्यालय पर स्थित राजकीय महाविद्यालय में अध्ययन करते हैं, उनके लिये सरकार द्वारा अम्बेडकर डी.बी.टी. वाउचर योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत छात्रों को प्रतिमाह 2000 रुपये भत्ता दिया जाएगा। योजनान्तर्गत आवेदन करने की अन्तिम दिनांक 30 नवम्बर 2024 तक की गई है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर ने बताया कि यह आवेदन सत्र 2024-25 के लिए किए जाएंगे। चयनित विद्यार्थियों को दस माह के लिए राशि स्वीकृत की जाएगी। इस योजना के तहत एससी, एसटी, ओबीसी, एमबीसी, ईडब्ल्यूएस और अल्पसंख्यक वर्ग के जिला मुख्यालय पर संचालित राजकीय महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर (शैक्षणिक पाठ्यक्रम कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय) में अध्ययनरत छात्र ही पात्र होंगे। योजना के लिए राजस्थान का मूल निवासी होना आवश्यक है।

छात्र के माता-पिता की वार्षिक आय 2.50 लाख (एससी, एसटी व एसबीसी के लिए), 1.50 लाख (ओबीसी के लिए) एवं 1.00 लाख (ईडब्ल्यूएस के लिए) रुपये से अधिक नहीं हो चाहिए। साथ ही विद्यार्थी जहाँ पढ़ रहा है और उसके माता-पिता का मकान उसी जिला मुख्यालय पर होने पर वह इसका पात्र नहीं होगा। आवेदन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ई-मित्र या एसएसओ आईडी के द्वारा किया जा सकता है।

## जनजाति खेल अकादमी खेरवाड़ा के छे खो खो में प्रथम



उदयपुर, 14 नवंबर (सूजस)। हाल ही में उदयपुर के गांधी ग्राउंड में सम्पन्न जिला स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता राजकीय जनजाति खेल अकादमी खेरवाड़ा के छात्रों ने खो खो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही एथलेटिक्स 200 मीटर दौड़ में रोहित कुमार डामोर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरवान्वित किया। यह जानकारी प्रशिक्षक आकाश सिसोदिया ने दी।

## जीवनानंद

मेरी ही पत्नियों ने भास्कर की तम किरणों को झेला, वे हरेपन को बचाने के लिए

जल किरणों की प्रतीक्षा करने लगी।

मेरी ही पत्नियों ने बारिश का भरोसा किया

उन्हें हरेपन की चिंता थी

इस बार ऐसे बरसो मेघा वे गीत गा रही थी

जल जीवन का विश्वास शनैः शनैः

टूट गया बारिश कहर बन गई :

बाढ़ में सब बह चला हरी पत्नियां सिहर गईं डर से कांपने लगी।

मेरी ही पत्नियों ने हाड़कपाती ठंड को सहने का प्रण किया

कौन समझ सकता है पाला,गलना, बेमौसम की बारिश।

मेरी ही पत्नियों ने सहम कर पूछ, ऐसे कैसे बचेंगे हम सब

हम लिपट जाएं क्या तुमसे जैसे डरे हुए बच्चे लिपटते हैं

पिता से हम तुम्हारे बिना जी नहीं सकेंगे

अस्तित्व का संघर्ष है साथ साथ लड़ेंगे साथ साथ जिएंगे ।'

अब मेरी बारी थी मैं ही तो हूँ इनका सर्वस्व मैं डटा रहूंगा

दृढ़ता से खड़ा रहूंगा।

विश्वास था प्रकृति का ताण्डव है शांत भी होगा

सुनहरी धूप का एक टुकड़ा छनकर आ ही गया

हर्षोल्लास होने लगा बसंत ने रोग,शोक हर लिए।

मैं हरा भरा हो गया धरती से नहीं कोंपलें फूटी

वृक्ष सघन छायादार हुए

फल पकने लगे रसभरे और मीठे

बाल वृंद के साथ पशु पक्षियों में

होड़ लगी, कुल्हाड़ी लिए किसान तत्पर रहता घर का

चूल्हा जलाने को ।

मैं खुश हूँ खड़ा हूँ अपनी जगह छाया,फूल और फल

जो चाहो ले लो वर्षों की तपस्या सफल हुई ।

- डॉ. इन्द्र प्रकाश श्रीमाली

## यूएनएफपीए की डिप्टी कंट्री रिप्रेजेंटेटिव

व राजस्थान राज्य प्रमुख का दौरा

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नाई का किया निरीक्षण



उदयपुर, 14 नवम्बर (सूजस)। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की डिप्टी कंट्री रिप्रेजेंटेटिव लोर्ना रोल्स और यूएनएफपीए राजस्थान के राज्य प्रमुख डॉ. दीपेश गुप्ता गुरुवार को उदयपुर जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नाई का निरीक्षण कर संस्थान पर प्रदान की जा रही सेवाओं विशेषकर यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शंकर एच बामणिग्या ने बताया कि निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारी-प्रभारी ने भी संस्थान स्तर पर प्रदान की जा रही यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दोनों अधिकारियों ने इस प्रकार की पहल को न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार बल्कि परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी सहायक बताया। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण) डॉ रागिनी अग्रवाल ने जिले की प्रोफाइल और जिले में प्रदान की जा रही परिवार नियोजन सेवाओं के बारे में जानकारी दी। डिप्टी कंट्री रिप्रेजेंटेटिव लोर्ना रोल्स ने इसकी सराहना की एवं हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. दीपेश गुप्ता ने परिवार नियोजन के विकल्पों में हाल ही में शामिल नए विधि - इम्प्लांट्स के बारे में बताया और इम्प्लांट्स के लिए आउटवार्ड रेफरल बढ़ाने पर जोर दिया। लोर्ना रोल्स ने किशोरों और महिलाओं से संवाद कर परिवार नियोजन और किशोर संबंधित मुद्दों पर उनकी राय ली। इस यात्रा में यूएनएफपीए से कुमार मनीष और मोहम्मद हुसैन बोहरा भी शामिल थे।

## दिव्यांगजन चिन्हीकरण शिविर 19 से

मोटराइज्ड ट्राई साइकिल के लिए भी होगा चिन्हीकरण

उदयपुर, 14 नवम्बर। मुख्यमंत्री बजट घोषणा की अनुपालना में दिव्यांगजन को अंग उपकरण-ट्राईसाइकिल, बैसाखी, व्हील चेयर, दिव्यांगजन के लिये छड़ी, स्मार्ट फोन के लिये दिव्यांगजन चिन्हीकरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। विषेय बात यह है कि इन शिविरों में मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल के लिये भी चिन्हीकरण किया जायेगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर ने बताया कि प्राथमिक रूप से तीन स्थानों पर शिविर आयोजित होंगे। इसमें 19 नवम्बर को पंचायत समिति गोगुन्दा में, 20 नवम्बर को पंचायत समिति भीण्डर में तथा 21 नवम्बर को श्रमजीवी कॉलेज, शक्ति नगर कॉम्प्लेक्स, टाऊनहॉल रोड, उदयपुर में शिविर आयोजित होगा। इन शिविरों में दिव्यांगजन अपने आधार कार्ड, जनाधार कार्ड, युडीआईडी कार्ड, पेंशन पीपीओ की कॉपी, 4 फोटो के साथ उपस्थित होकर चिन्हीकरण करा सकते हैं। इन शिविरों में चिन्हीत विषेय योग्यजनों को अतिप्रीण उनकी आवश्यकता के अनुरूप अंग उपकरण की सहायता से लाभान्वित कराया जाएगा।

## माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ शनिवार को उदयपुर दौरे पर कोटड़ा में भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के समारोह में लेंगे भाग



उदयपुर, 14 नवंबर (सूजस)। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ शनिवार 16 नवंबर को एक दिवसीय दौरे पर उदयपुर आएंगे। जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल ने बताया कि माननीय उपराष्ट्रपति 16 नवम्बर को सुबह 11.10 बजे इंडियन एयर फोर्स के स्पेशल एयरक्राफ्ट से डबोक एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वे यहां से आईएफएफ के विशेष हेलीकॉप्टर से कोटड़ा स्थित हेलीपैड पहुंचेंगे और यहां से सड़क मार्ग से कोटड़ा के वनवासी कल्याण आश्रम पहुंच कर वहां भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ यहां से 1:50 बजे पुनः कोटड़ा हेलीपैड पहुंचेंगे और वहां से आईएफएफ के विशेष हेलीकॉप्टर से रवाना होकर 2:30 बजे उदयपुर एयरपोर्ट आएंगे। वे उदयपुर एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से हुए मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय पहुंचेंगे। अपराह्न 3 बजे एमएलएसयू के विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। यहां से शाम 4:25 बजे उदयपुर एयरपोर्ट पहुंचकर 4:30 बजे इंडियन एयर फोर्स के स्पेशल एयरक्राफ्ट से दिल्ली के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

## मुख्यमंत्री आज उदयपुर होकर बांसवाड़ा जाएंगे



उदयपुर, 14 नवम्बर (सूजस)। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार 15 नवंबर को सुबह 10:10 बजे विशेष विमान से उदयपुर के डबोक एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वे यहां से 10:20 बजे हेलीकॉप्टर से बांसवाड़ा के गोविंद गुरु महाविद्यालय स्थित हेलीपैड पहुंचेंगे और वहां जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित नवादी युगधारा प्रणेता समागम कार्यक्रम में शरीक होंगे। मुख्यमंत्री श्री शर्मा इसी दिन पुनः दोपहर 2.20 बजे उदयपुर एयरपोर्ट पहुंचकर 2:30 बजे विशेष विमान से महाराष्ट्र के पुणे एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

## खुल्लम-खुल्ला

लाख कोशिशों के बावजूद कोई, कुछ नहीं कर पा रहे। जंगल-पहाड़ नहीं कटने चाहिये, लेकिन कटते जा रहे। केवल बयानबाजी और आरोपों के ही, गीत हम गा रहे। आज वहां- कल वहां पहाड़ कट रहे, रोज समाचार आ रहे। हम रोजाना चीखते- चिल्लाते, पहाड़ नहीं कटने चाहिये। लेकिन जो कटा या कट रहा है, रूका क्या बताईये। झील पेटे में ये नहीं होगा वो नहीं होगा, कह दिया और बस। लेकिन सालों से सब हो रहा है, परिस्थितियां जस की तस।। दिनांक: 15 नवम्बर 2024 -भूपेन्द्र कुमार चौबीसा, उदयपुर



## सम्पादकीय

## जय राजस्थान

दिनांक 15 नवम्बर 2024

वार-शुक्रवार

## बुलडोजर न्याय पर हथौड़ा, सुप्रीम कोर्ट का सख्त फैसला

देश के अलग-अलग हिस्सों में शुरू हुए कथित 'बुलडोजर न्याय' के नए चलन में निहित खतरों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ठीक ही इस पर प्रभावी रोक लगा दी। इस संबंध में बुधवार को आया सर्वोच्च अदालत का फैसला निश्चित रूप से सख्त फैसलों की श्रेणी में रखा जाएगा, लेकिन यह सख्ती जरूरी थी।

**असमंजस के हालात:** मामले की गंभीरता का अंदाजा इस बात से हो सकता है कि एक बार शुरू होने के बाद यह चलन तेजी से फैलता जा रहा था। कई राज्यों में इसे अपराधी तत्वों पर अंकुश लगाने का एक कारगर तरीका माना जाने लगा था। हालांकि इसे गलत और मान्य कानूनी प्रक्रिया के खिलाफ बताने वाले भी कम नहीं थे, लेकिन न केवल आम लोगों के एक हिस्से में इसके प्रति समर्थन देखा जा रहा था बल्कि प्रशासनिक हलकों में भी इसके बचाव में कई तरह की दलीलें दी जा रही थीं। इन सबसे असमंजस के हालात बने हुए थे।

**एक मसला, कई पहलू:** इस केस पर विचार करते हुए कोर्ट को कई सवालों से जूझना पड़ा। मसलन- कानून का पहलू तो इससे जुड़ा था ही, संविधान द्वारा नागरिकों को दिए गए उन अधिकारों का भी सवाल था जो उसे राज्य की मनमानी कार्रवाइयों से सुरक्षा देते हैं। न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता और लोकसेवकों के प्रति आम जनों के विश्वास का प्रश्न भी इससे जुड़ा था।

**बारीक पड़ताल:** सुप्रीम कोर्ट ने इन तमाम पहलुओं का ध्यान रखते हुए न केवल बुलडोजर के जरिए न्याय करने की इस प्रवृत्ति को खारिज किया बल्कि उन आधारों को भी स्पष्ट किया, जिनसे इस बात की पहचान होती है कि प्रशासन ने कब अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया। फैसले में कहा गया है कि जब किसी खास निर्माण को अचानक निशाना बनाया जाता है और उस तरह के अन्य निर्माणों को छुआ भी नहीं जाता, तब ऐसा लगता है कि कार्रवाई का असल मकसद किसी आरोपी को बिना मुकदमा चलाए सजा देना है।

**संतुलन और सख्ती:** खास बात यह कि शीर्ष अदालत इस तरह की कार्रवाई को गलत बताकर ही नहीं रुकी, उसने यहां तक कहा कि अगर किसी व्यक्ति का घर इस तरह से तोड़ा जाता है तो उसे फिर से बनाने का खर्च संबंधित ऑफिसरों के वेतन से काटा जाएगा। दूसरी बात यह कि अदालत ने इस फैसले की सीमाएं स्पष्ट करते हुए यह भी कहा कि सार्वजनिक स्थलों जैसे सड़क, फुटपाथ, रेलवे लाइन आदि पर बने अवैध निर्माण इन निर्देशों के दायरे में नहीं आएंगे। कुल मिलाकर, सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती और संतुलन का जो बेहतरीन तालमेल इस फैसले में दिखाया है, वह देश में संवैधानिक मूल्यों को मजबूती देने वाली एक मिसाल के रूप में याद रखा जाएगा।

## श्री गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय महोत्सव



उदयपुर, (निसं) । श्री गुरुनानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर उदयपुर के शक्तिनगर स्थित वैकुण्ठ धाम में गुरुवार को गुरु ग्रंथ साहिब व जपजी साहिब अखंड पाठ और गुरुबाणी के विभिन्न पवित्र पाठों का आयोजन किया गया, तीन दिवसीय इस आयोजन का प्रारंभ 13 नवंबर को हुआ और इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ शामिल हुए। वैकुण्ठ धाम के गुरुजी शैलेश ब्रिजवानी ने बताया कि 14 नवंबर, गुरुवार को उत्सव के दूसरे दिन भी श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। इस दिन सुबह 7:00 बजे आसादीवार पाठ, 7:30 बजे कथा कार्तिक का आयोजन हुआ। आरती और अरदास के उपरांत शाम को महिलाओं का सत्संग 5:00 से 6:30 बजे तक हुआ और 7:00 बजे शाम की आरती हुई, 15 नवंबर, शुक्रवार को उत्सव के तीसरे दिन का समापन होगा। सुबह 7:00 बजे आसादीवार पाठ, 7:45 बजे कथा कार्तिक का आयोजन होगा। पूर्ण आहुति के साथ आरती और अरदास संपन्न होगी। इसके उपरांत लंगर का आयोजन किया जायेगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण करेंगे।

गुरुजी शैलेश ब्रिजवानी ने बताया कि इस महोत्सव में भाग लेने के लिए सभी श्रद्धालुओं ने गहरी आस्था और श्रद्धा व्यक्त की। सभी को गुरुबाणी के उपदेशों का अमृतपान करने का अवसर मिला, जिससे मन की शांति और आत्मिक शुद्धि की अनुभूति हुई।

## शासन सचिवालय की वरिष्ठ लेखाधिकारी ने स्काउट-गाइड गतिविधियों का किया अवलोकन



उदयपुर, 14 नवंबर (सू.जस) । हिन्दुस्तान स्काउट्स एण्ड गाइड्स राजस्थान राज्य संगठन के उदयपुर स्थित राज्य मुख्यालय पर शासन सचिवालय से शिक्षा विभाग की वरिष्ठ लेखाधिकारी श्रीमती भावना संतानी एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेन्द्र कुमार बड़ाला ने कार्यक्रम का अवलोकन किया। श्रीमती भावना संतानी, राज्य मुख्यालय आयुक्त के मानद पद पर भी आसीन हैं। इनके साथ लेखाधिकारी श्रीमती खुशबु एवं कार्यक्रम अधिकारी समस्त शिक्षा, श्रीमती रशमी मेहता भी उपस्थित रही।

संगठन के सभाग मुख्यालय आयुक्त (जनसम्पर्क) गौरीकांत शर्मा ने बताया कि मुख्यालय विजिट पश्चात् "प्रकृति साधना केन्द्र, भीलों का बेदला में कब मास्टर/प्लॉक लीडर बेसिक कोर्स प्रशिक्षण शिविर का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर श्रीमती भावना संतानी ने बताया कि प्राकृतिक वातावरण में दिए जा रहे इस प्रशिक्षण का भविष्य में बहुत महत्व है, इस दौड़-भाग भरी जिन्दगी में जीवन शैली में सुखद व शरित बनाने में ऐसे आयोजनों का होना जरूरी है। शिक्षा अधिकारी बड़ाला ने शिविर की तारीफ करते हुए प्रशिक्षक दल को बधाई दी। इस अवसर पर संगठन के राज्य सचिव नरेन्द्र आदिच्य, राज्य संगठन आयुक्त (स्का.), रिपुदमन सिंह गिल, राज्य संगठन आयुक्त (गा.) श्रीमती कविता जैन, सहायक सचिव (समन्वयक), विजय दाधीच उपस्थित रहे। संचालन प्रदीप मेघवाल ने किया।

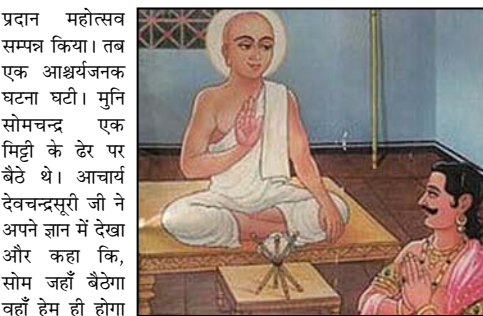
## संस्कृत शब्दानुशासन के अन्तिम रचयिता महापंडित, कलिकालसर्वज्ञ हेमचन्द्राचार्यजी

(संदीप सृजन -विनायक फीचर्स)

विश्व के इतिहास में संस्कृत के मध्यकालीन रचनाकारों में प्रसिद्ध जैन आचार्य हेमचन्द्राचार्यजी का नाम विशेष महत्व रखता है। वे महापण्डित थे, काव्यशास्त्र के आचार्य थे, योगशास्त्र मर्मज्ञ थे और 'कलिकालसर्वज्ञ' जैसी महान उपाधि से अलंकृत थे। जैनधर्म और दर्शन के तो वे प्रकाण्ड विद्वान् थे ही अपने समय के महान टीकाकार भी थे। वे जहाँ एक तरफ विभिन्न शास्त्रों के पारंगत थे वहीं दूसरी अनेक भाषाओं के मर्मज्ञ भी थे। हेमचन्द्राचार्यजी आज भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ व्याकरणकार एवं अनेक भाषाकोशकार माने जाते हैं। भारतीय चिंतन, साहित्य और साधना के क्षेत्र में उनका योगदान अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हेमचन्द्राचार्यजी ने साहित्य, दर्शन, योग, व्याकरण, काव्यशास्त्र, वाङ्मय के सभी अंगों पर नवीन साहित्य की सृष्टि तथा नये पंथ को आलोकित किया। संस्कृत एवं प्राकृत पर उनका समान अधिकार था।

हेमचन्द्राचार्यजी का जन्म गुजरात में अहमदाबाद से 100 किलोमीटर दूर दक्षिण-पश्चिम स्थित धंधुका नगर में विक्रम संवत् 1145 को कार्तिक पूर्णिमा की रात्रि में हुआ था। माता-पिता शिव पार्वती उपासक मोह वंशीय वैश्य थे। पिता का नाम चाच और माता का नाम पाहिणी देवी था। बालक का नाम चंगदेव रखा। माता पाहिणी और मामा नेमिनाथ दोनों ही जैन धर्म के उपासक थे। चंगदेव जब गंध में थे तब माता ने आश्चर्यजनक स्वप्न देखे थे। इस पर जैनाचार्य देवेंद्रसूरी जी ने स्वप्न का विश्लेषण करते कहा कि सुलक्षण सम्पन्न पुत्र होगा जो दीक्षा लेगा और जैन सिद्धान्त का सर्वत्र प्रचार प्रसार करेगा।

बाल्यकाल से चंगदेव दीक्षा के लिये दृढ़ थे। खम्भात में जैन संघ की अनुमति से उदयन मंत्री के सहयोग से नौ वर्ष की आयु में दीक्षा संस्कार विक्रम संवत् 1154 में माघ शुक्ल चतुर्दशी शनिवार को हुआ और उनका नाम मुनि सोमचंद्र रखा गया। अल्पयुवक ही वे शास्त्रों में तथा व्यावहारिक ज्ञान में निपुण हो गये। 21 वर्ष की अवस्था में समस्त शास्त्रों का मंथन कर ज्ञान वृद्धि की। नागपुर (महाराष्ट्र) के पास धनत ग्राम के एक वणिज ने विक्रम संवत् 1166 में सूरिपद



प्रदान महोत्सव सम्पन्न किया। तब एक आश्चर्यजनक घटना घटी। मुनि सोमचन्द्र एक मिट्टी के ढेर पर बैठे थे। आचार्य देवचन्द्रसूरी जी ने अपने ज्ञान में देखा और कहा कि, सोम जहाँ बैठेगा वहीं हेम ही होगा और वह मिट्टी का ढेर सोने में बदल चुका था। उस के बाद सोमचन्द्र, आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी के नाम से जाने लगे। आचार्य श्री ने साहित्य और समाज सेवा करना आरम्भ किया और पैदल विहार करते हुए अणहिलपुरपुस्तन में पधारे। जिस मार्ग से आचार्य श्री ने प्रवेश किया उसी मार्ग पर सामने से महाराजा सिद्धराज जयसिंह की सवारी आ रही थी। जब सिद्धराज जयसिंह की नजर आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी पर गयी तो वो आचार्य श्री को देखकर विस्मित हो गये और सहजभाव से उनके सामने नत मस्तक हो गये।

उन्होंने आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी को अपने राजभवन में पधारने की विनती की। आचार्य श्री भी शकुन देख कर धर्मप्रभावना जान कर राजसभा में राजा सिद्धराज जयसिंह को प्रतिबोध देने लगे। राजा सिद्धराज जयसिंह के अनुरोध पर योगानुयोग आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी ने कश्मीर जाकर सरस्वती देवी की साधना की और देवी का साक्षात्कार प्राप्त कर देवी से आठ व्याकरण ग्रंथ प्रदान करने का निवेदन किया। देवी कृपा से आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी व्याकरण ग्रंथ लेकर राजा सिद्धराज जयसिंह के दरबार में पहुंचे। जिसका नाम सिद्धहेम शब्दानुशासन दिया। राजा की प्रसन्नता का पार नहीं रहा। राजा ने उस ग्रंथ को हाथी पर रखवाकर नगर में भ्रमण करवाया था। यह महान ग्रंथ आज भी संस्कृत व्याकरण के प्रमुख ग्रंथों में माना जाता है। आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी की जितनी प्रगाढ़ता सिद्धराज जयसिंह से थी उससे भी अधिक चणित्ता उनके सिंहासन पर बैठने वाले राजा कुमारपाल से रही। कुमारपाल अपने समय के दिग्विजयी महाराजा रहे।

अग्रह देशों में उनका शासन था। उनके शासन में मारना, काटना जैसे शब्दों का प्रयोग करना निषेध था। अहिंसा के क्षेत्र में आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी की प्रेरणा से उन्होंने कई कार्य किए जो कि जैन ग्रंथों में विस्तार से पढ़े जा सकते हैं। महाराजा कुमारपाल ने अपने आत्मकल्याण के लिए अग्रह कर आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी से एक ग्रंथ लिखने का अनुरोध किया तो आचार्य श्री ने योगशास्त्र ग्रंथ की रचना की थी।

आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी द्वारा रचित ग्रंथों में योगशास्त्र सर्वाधिक प्रसिद्ध ग्रंथ है। इसकी शैली पतंजलि के योगसूत्र के अनुसार ही है किन्तु विषय और वर्णन क्रम में मौलिकता एवं भिन्नता है। योगशास्त्र नीति विषयक उपदेशात्मक काव्य की कोटि में आता है। योगशास्त्र जैन संप्रदाय का धार्मिक एवं दार्शनिक ग्रंथ है। वह अध्यात्मोपनिषद् है। इसके अंतर्गत मदिरा दोष, मांस दोष, नवनीत भक्षण दोष, मधु दोष, उदुम्बर दोष, रात्रि भोजन दोष का वर्णन है। योगशास्त्र आज भी अत्यन्त उपादेय ग्रन्थ है। आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी ने अपने योगशास्त्र से सभी को गृहस्थ जीवन में आत्मसाधना की प्रेरणा दी। पुरुषार्थ से दूर रहने वाले को पुरुषार्थ की प्रेरणा दी। इनका मूल मंत्र स्वावलंबन है। वीर और दृढ़ चित्त पुरुषों के लिये उनका धर्म है। आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी के ग्रंथों ने संस्कृत एवं धार्मिक साहित्य में भक्ति के साथ श्रवण धर्म तथा साधना युक्त आचार्य धर्म का प्रचार किया। समाज में से निद्रालस्य को भगाकर जागृति उत्पन्न की। सात्विक जीवन से दीर्घायु पाने के उपाय बताये। सदाचार से आदर्श नागरिक निर्माण कर समाज को सुव्यवस्थित करने में आचार्य ने अपूर्व योगदान किया। प्रसिद्ध विद्वान सोमेश्वर भट्ट की 'कीर्ति कौमिदी' में आचार्य हेमचन्द्रसूरी जी के बारे में कहा है कि सदा हृदि वहम श्री हेमसूरः सरस्वतीम,सुवत्या

शब्दरत्नानि ताम्रपर्णी जितायया ॥ आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी ने तर्कशुद्ध, तर्कसिद्ध एवं भक्तियुक्त सरस वाणी के द्वारा ज्ञान धर्म का विकास किया और परमोच्च चोटी पर पहुंचा दिया। पुरानी जड़ता को जड़मूल से उखाड़कर फेंक दिया। आत्मविश्वास का संचार किया। आचार्य के ग्रंथों के कारण जैन धर्म गुजरात में दृढमूल हुआ। भारत में सर्वत्र, विशेषतः मध्य प्रदेश में, जैन धर्म के प्रचार एवं प्रसार में उनके ग्रंथों ने अभूतपूर्व योगदान किया। इस दृष्टि से जैन धर्म के साहित्य में आचार्य हेमचन्द्र के ग्रंथों का स्थान अमूल्य है। अन्य ग्रंथों में काव्यानुशासन, छन्दानुशासन, सिद्धहेमशब्दानुशासन (प्राकृत और अपभ्रंश का ग्रन्थ), उणादिसूत्रवृत्ति, अनेकार्थ कोश, देशीनाममाला, अधिधानचिन्तामणि, द्वात्रय महाकाव्य, काव्यानुप्रकाश, त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित, परिशिष्ट-पर्वन, अलङ्कारचूडामणि, प्रमाणमीमांसा, वीतरागस्तोत्र आदि प्रसिद्ध हैं।

आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी ने 84 वर्ष की अवस्था में अनशनपूर्वक अन्त्याराधन क्रिया आरम्भ की। विक्रम संवत् 1229 में महापंडितों की तरह समाधि मरण को प्राप्त किया। आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी को पाकर उस समय गुजरात अज्ञानता, धार्मिक रुढ़ियों एवं अंधविश्वासों से मुक्त हो धर्म का महान केन्द्र बन गया था। अनुकूल परिस्थिति में कलिकाल सर्वज्ञ आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी सर्वजनहिताय एवं सर्वोपदेशाय पृथ्वी पर अवतरित हुए। 12 वीं शताब्दी में पाटलिपुत्र, काल्यकुम्भ, वल्लभी, उज्जयिनी, काशी इत्यादि समृद्धिशाली नगरों की उदात्त स्वर्णिम परम्परा में गुजरात के अणहिलपुर ने भी गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया।

आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी अद्वितीय विद्वान् थे। साहित्य के सम्पूर्ण इतिहास में किसी दूसरे ग्रंथकार की इतनी अधिक और विविध विषयों की रचनाएं उपलब्ध नहीं हैं। व्याकरण शास्त्र के इतिहास में आचार्य हेमचन्द्रसूरीजी का नाम सुवर्णक्षरों से लिखा जाता है। संस्कृत शब्दानुशासन के वे अन्तिम रचयिता हैं। इनके साथ उतर भारत में संस्कृत के उत्कृष्ट मौलिक ग्रन्थों का रचनाकाल समाप्त हो जाता है।

(विनायक फीचर्स)

## विद्यालयी छात्राओं की (19 वर्ष) राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता की मेजबानी उदयपुर को ,आयोजन को लेकर प्रथम बैठक हुई



## महात्मा गांधी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुंदरवास के तत्वाधान में जनवरी 2025 में आयोजित होगी

उदयपुर 14 नवम्बर (सू.जस) । 68वीं 19 वर्षीय आयु वर्ग की विद्यालयी छात्रा राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन महात्मा गांधी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुंदरवास के तत्वाधान में किया जाएगा । जनवरी 2025 में आयोजित होने वाली की प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर प्रथम बैठक आज आयोजक स्कूल में हुई । शिक्षा विभाग के अधीन होने वाली इस प्रतियोगिता में देश भर की छात्राओं की क्रिकेट टीमों में भाग लेगी । विद्यालय के वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक विजय सिंह रावत ने बताया लगभग हर राज्य से छात्राएं इस क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेगी । प्रधानाचार्य डॉक्टर आशुतोष तुली ने बताया कि इस राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियों के लिए प्रथम बैठक विद्यालय में आज गुरुवार को आयोजित की गई ।

जिसकी अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक डॉ लोकाेश भारती ने की। बैठक में आवास, क्रिकेट मैदान, परिवहन ,भोजन, मेडिकल व्यवस्था, भ्रामशाह से संपर्क, आयोजन की स्मरिका बनाने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। लोकाेश भारती ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर के आयोजन के अध्यक्ष जिला कलेक्टर उदयपुर रहेंगे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक नौनिहाल सिंह,अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मुरलीधर चौबीसा, उप जिला शिक्षा अधिकारी खेलकूद लक्ष्मण लाल सालवी ,कोर कमेटी के सदस्य के रूप में दीपक गोडरेनु शर्मा ,संजय बडाला तथा चेतन पानेरी थे। बैठक में जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल तथा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गिर्वा कुंजबिहारी भाट्टगण भी उपस्थित थे । साथ ही राष्ट्रीय क्रिकेट के आयोजन में विभिन्न कमेटियों के लिए दिलीप सिंह शक्तावत, विनोद गदिया,जय प्रकाश भावसार शारीरिक शिक्षक के रूप में तथा विधायक प्रतिनिधि के रूप में डॉक्टर आशुतोष दाधीच,शंकर लाल सालवी, उप प्रधानाचार्य प्रीति राठौड़, चिराग आमेटा, संजय पद्धान्या,हुक्मीचंद मेनारिया तथा गोपाल लोहार उपस्थित रहे।

## आचार्य हितवर्धन सुरेश्वर आदि ठाणा का चातुर्मास परिवर्तन व निष्ठापन आज



## - आत्मिक दोषों के शमन के लिए क्रोध-लोभ-कपट व घमण्ड का त्याग जरूरी : आचार्य हितवर्धन सुरेश्वर

उदयपुर 14 नवम्बर (नसं) । श्री जैन श्वेताम्बर महासभा के तत्वाधान में तपोगच्छ की उदम स्थली आयडू तीर्थ में रामचन्द्र सुरेश्वर महाराज के समुदाय के पट्टधर, गीताथं प्रवर, प्रचनप्रभावक आचार्य हितवर्धन सुरेश्वर आदि ठाणा द्वारा चल रहे चातुर्मास का परिवर्तन व निष्ठापन 15 नवम्बर शुक्रवार को होगा। महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 7 बजे शोभागपुरा 100 फीट रोड स्थित आदेश्वर मंदिर से आचार्य हितवर्धन सुरेश्वर आदि ठाणा का चातुर्मास परिवर्तन करवाया जाएगा जो आर्ची अपार्टमेंट स्थित मुनि सुव्रतनाथ स्वामी मंदिर न्यू भूपाल पुरा में राजेश्वरी देवी- श्यामलाल हरकावत के निवास पर गाजे-बाजे की मधुर स्वर लहरियों के साथ करवाया जाएगा। जहां पर व्याख्यान एवं श्रुंजय भावयात्रा का आयोजन होगा। उसके बाद सभी श्रावक-श्राविकाओं की नवकारसती का आयोजन रखा गया।

गुरुवार को आयडू तीर्थ के आत्म वल्लभ सभागार में आयोजित धर्मसभा में आचार्य हितवर्धन सुरेश्वर ने कहा कि सांसारिक और भौतिक नुकसान बताकर भी क्रोध-लोभ आदि कापथिक भावों को छोड़ने का उपदेश दे सकते हैं और चौरासी के चक्र नहीं काटना है ऐस आत्मिक उद्देश्य से भी क्रोध-लोभ को छोड़ने का उपदेश दे सकते हैं। आत्मिक दोषों के शमन के लिए क्रोध-लोभ-कपट व घमण्ड का त्याग जरूरी है। चातुर्मास समिति के अशोक जैन व प्रकाश नागोरी ने बताया कि इस अवसर पर कार्याध्यक्ष भोपालसिंह परमार, कुलदीप नाहर, अशोक जैन, प्रकाश नागोरी, सतीस कच्छरा, राजेन्द्र जवेरिया, चतर सिंह पामेचा, चन्द्र सिंह बोल्या, हिमंत मुर्डिया, केलारा मुर्डिया, श्याम हरकावत, अंकुर मुर्डिया, बिट्टू खान्या, भोपाल सिंह नाहर, अशोक धुपिया, गोवर्धन सिंह बोल्या सहित सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहे।

## डीपीएस के युवा वैज्ञानिकों का विज्ञान राष्ट्रीय प्रदर्शनी में चयन



उदयपुर, (निसं)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जयपुर के भारतीय विद्या भवन, विद्या आश्रम में दो दिवसीय क्षेत्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

इस प्रदर्शनी में प्रदेशभर से आए हुए 70 विभिन्न विद्यालयों के लगभग 110 प्रतिभागियों में दिल्ली पब्लिक स्कूल, उदयपुर के दो युवा वैज्ञानिकों ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का परचम फहराकर दिसम्बर माह में दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रदर्शनी हेतु अपना नामांकन सुनिश्चित कर दिया है। विद्यालय में विज्ञान की वरिष्ठ अध्यापिका श्वेता सोनी ने बताया कि उनके मार्गदर्शन में कक्षा आठ के अनन्य वैश और धैर्यश पुरोहित ने वेस्ट मेनेजमेंट थीम के अंतर्गत झीलों की सफाई हेतु निर्मित रोबोट के प्रोजेक्ट को प्रस्तुत कर निर्णायक मंडल के सदस्यों का दिल जीत लिया। प्राचार्य श्री संजय नरवारिया ने बताया कि कुल 70 टीमों में से मात्र 14 टीमों को विजेता घोषित कर राष्ट्रीय स्तर के प्रदर्शनी हेतु चयन किया गया। जिसमें दिल्ली पब्लिक स्कूल, उदयपुर की टीम प्रथम स्थान पर विजेता रही। विद्यालय के लिए यह अत्यंत गर्व की बात है। प्राचार्य श्री संजय नरवारिया ने प्रशिक्षिका श्रीमती श्वेता सोनी, विजेता टीम के छात्रों तथा उनके अधिभावकों को बधाई प्रेषित की। उपप्राचार्य श्री राजेश धाभाई ने भी विजेताओं को शुभकामनाएं प्रेषित की।

## शिक्षा संकाय में यूनिटी फॉर रन एवं टीएल एम प्रदर्शनी का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। शिक्षा संकाय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा टीएल एम प्रदर्शनी एवं यूनिटी फॉर रन का आयोजन किया गया। \*कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुनीता मिश्रा कुलपति मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर\* डॉ. ब्रज बाला शर्मा, प्राचार्य जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान, डायट उदयपुर, डॉ .दीपाली नागरकोटी सीनियर लेक्चरर शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बुझरा, डॉ शोभा राणावत सीनियर सेकेंडरी स्कूल बड़ी



रुद्र, डॉ. दिग्विजय भटनागर, अध्यक्ष, शिक्षा संकाय, डॉ. अल्पना सिंह शिक्षा संकाय प्रमुख रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया तत्पश्चात

## जिला प्रशासन का नवाचार: तनाव मुक्त प्रशासन पर कार्यशाला: समस्या की नहीं, समाधान पर चिंतन हो

उदयपुर, 14 नवम्बर (सू.जस)। अधिकारियों और कर्मचारियों को तनाव मुक्त रखते हुए उनकी कार्य क्षमता में वृद्धि के लिए जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल ने नवाचार किया। इसके तहत जिला प्रशासन और प्राजपति ब्रह्मकुमारीय ईश्वरीय विश्वविद्यालय, उदयपुर केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में तनाव मुक्त प्रशासन का विषय पर कार्यशाला गुरुवार को जिला परिषद सभागार में हुई।

कार्यशाला में ब्रह्माकुमारीय ईश्वरीय विश्वविद्यालय जयपुर जोन प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी पुनम दीदी ने तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि परमात्मा परम प्रशासक है, जो विश्व का संचालन करता है। इसी प्रकार अधिकारी भी प्रशासन व्यवस्था संचालते हैं। ईश्वर ने लोगों की सेवा करने और उनके दु:खों का समाधान करने का अवसर प्रदान किया है। समस्या सर्वत्र होती है, लेकिन समस्याओं की चिन्ता के

बजाए समाधान पर चिन्तन होना चाहिए। अपने मनोबल को बढ़ाएं तो समस्याएं खल लगेने लगती हैं। उन्होंने ध्यान के माध्यम से अपनी आत्म शक्ति बढ़ाने पर जोर दिया। पुनम दीदी ने स्ट्रेस शब्द के प्रत्येक अक्षर को व्याख्या करते हुए तनाव प्रबंधन के गूर सिखाए। उन्होंने कहा कि लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने का अवसर मिला है, उसका सदुपयोग करते हुए पुण्य अर्जित करें। लोगों की समस्याओं का निस्तारण करने से दु:आएं और शुभकामनाएं मिलती हैं। इससे जीवन में स्वतः निखार जाता है। उन्होंने श्रीमद् भगवद्गीता का उदाहरण देते हुए कहा कि निष्काम कर्म को ही श्रेष्ठ माना गया है। अच्छे कर्म ही आत्मा की संपत्ति हैं क्योंकि शरीर त्याग के बाद वही साथ आते हैं।

ध्यान ईश्वर से जुड़ने का माध्यम कार्यशाला में ब्रह्मकुमारीय उदयपुर सेंटर प्रभारी ब्रह्मकुमारी रीटा दीदी ने

ध्यान का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि ध्यान आत्मा के परमात्मा से जुड़ने का माध्यम है। ध्यान से मन की शांति मिलती है और शांति ही सभी समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त करती है, निर्णय शक्ति बढ़ाने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि हर समस्या का सकारात्मक पहलू भी होता है। आवश्यकता सिर्फ उस पहलू को समझने की है। अंत में रीटा दीदी ने सभी संधागियों को ध्यान का अभ्यास कराया।

कार्यशाला में पुनम दीदी ने जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल को स्मृति चिन्ह तथा प्रसाद भेंट किया। कार्यशाला में शामिल सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को भी प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारीय केंद्र राजसमंद की पुनम दीदी, गोगुण्डा केंद्र की रश्मि दीदी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

दु:ख और चुनौतियों में फर्क को

समझना चाहिए : जिला कलक्टरन कार्यशाला में जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल ने कहा कि प्रशासन में तनाव प्रबंधन का बड़ा महत्व है। स्वयं तनाव में रहेंगे तो उसका प्रभाव कार्य पर आएगा। अग्नि की लपटें तब तक ही ऊंची उठती हैं, जब तक उसे ईंधन मिलता रहता है। इसीलिए स्वभाव से शांत और सौम्य रहना जरूरी है, जिससे किसी भी परिस्थिति में व्यक्तिगत रूप से तनाव हावी नहीं होता है। उन्होंने कहा कि कई लोग छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशान रहते हैं, जैसे उनसे बड़ा दु:ख किसी को नहीं है, लेकिन दु:ख और चुनौतियों में फर्क को समझना होगा। दु:ख वह है जिसका समाधान आपके हाथ में नहीं है, बाकी सब कुछ चुनौतियां हैं, जिनका समाधान स्वयं किया जा सकता है। उन्होंने कार्यशाला को बहुउपयोगी बताते हुए भविष्य में भी कार्मिकों की क्षमता बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजन किए जाने की बात कही।

## बाल दिवस - संस्कृति मेला 2024 का हुआ आगाज पारम्परिक खान-पान की ओर पुनः लौटने की ज़रूरत - प्रो. सारंगदेवोत



उदयपुर 14 नवम्बर (कासं)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के अवसर पर जर्नादन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की ओर से महाविद्यालय प्रांगण में संस्कृति मेले 2024 का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षणार्थी छात्राध्यापकों को भावी व्यवसायिक जीवन में आने वाले दायित्वों के निर्वहन और भारतीय परंपराओं से रूबरू करवाने के उद्देश्य से आयोजित किए गए मेले का शुभारंभ कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, सरदार पटेल विवि गुजरात के प्रो. संदीप भट्ट, प्राचार्य प्रो. सरोज गर्ग ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर व फीता काटकर किया। मेले में महाविद्यालय के बीएड, बीएड बाल विकास, बीए बीएड/बी.एससी.बीएड, डीएलएड के प्रशिक्षणार्थियों ने अलग-अलग प्रकार के राजस्थानी व्यंजन दाल-बाटी, राव, दक्षिण भारतीय इडली साभर, अप्पे और मोमोज जैसे चायनीज व्यंजनों के साथ-साथ मेले का आनंद देने वाले जायके चाट- पकौड़ी, चाय शिकंजी के 27 स्टॉल लगाए। इस अवसर पर प्रो. सारंगदेवोत ने वर्तमान समय में बदली जीवनचर्या में पारंपरिक भोजन के स्वास्थ्य लाभ को रेखांकित करते हुए कहा कि हमें पुनः अपने प्राचीन खानपान की ओर लौटना होगा। इस मौके पर डॉ. रचना राठौड़, डॉ. बलिदान जैन, डॉ. अमी राठौड़, डॉ. सुनीता मुर्झिया सहित विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य, मंत्रालयिक कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं अभिभावकों ने मेले का आनंद उठाया।

## स्कूली बच्चों को दी बाल अधिकारों की जानकारी

उदयपुर, 14 नवंबर (सूजस)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के निर्देशानुसार राष्ट्रीय बाल दिवस पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय एकलिंगगढ़ छावनी में मनाया गया।

प्राधिकरण सचिव व एडीजे कुलदीप शर्मा ने स्कूली बच्चों को उनके अधिकारों से अवगत कराया गया। बच्चों को गुड टच बेड टच, बाल विवाह रोकने अभियान, संविधान के अनुच्छेद 39क के तहत निःशुल्क विधिक सहायता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उदयपुर द्वारा चलाए जा रहे अभियान, नालसा हेल्पलाइन 15100, पॉक्सो कानून, साइबर कानून, यातायात नियम आदि के बारे जागरूक किया गया। सुश्री प्रेरणा अचरार एवं श्री जितेंद्र सेन अस्सिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल द्वारा भी स्कूली बालक-बालिकाओं को जागरूक किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय के प्रिंसिपल अरुण कुमार व अन्य स्टाफ सदस्यों ने भागीदारी निभाई।

## लायंस क्लब डिवाइन में ज़ोन चेरपरसन की आधिकारिक यात्रा सम्पन्न



उदयपुर, (विप्र)। लायंस क्लब उदयपुर डिवाइन की ओर से बाल दिवस के अवसर पर लायंस क्लब इन्टरनेशनल, डिस्ट्रिक्ट- 3233-82 के ज़ोन चेरपरसन- एम.जे.एफ. लायन जी.के.सोमानी जी की आधिकारिक यात्रा, ज्ञान चेतना पब्लिक स्कूल, देवारी में सम्पन्न कराया गया। लायन सोमानी जी ने बताया कि शिक्षक समाज व देश निर्माण की धुरी ही नहीं है बल्कि बालक-बालिकाओं में अच्छे सन्स्कार उत्पन्न करने का प्रमुख आधार है, अतः सर्वप्रथम वंदनीय हैं। लायन डा.पी.सी.कोगटा व डा.सुनीता सिंह ने बच्चों को खेल खेल में अच्छी शिक्षा देने पर जोर दिया।

इस अवसर पर लायंस डिस्ट्रिक्ट व डिवाइन क्लब की ओर से स्कूल के बच्चों को 60 नोटबुक, पेन्सिल, रबर आदि स्टेशनरी का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ज़ोन चेरपरसन- एम.जे.एफ.लायन जी.के.सोमानी थे। अतिथियों का स्वागत लायन डा.पी.सी. कोगटा ने किया व धन्यवाद ज्ञापन लायन हरीश सिन्ह ने किया। समारोह का संचालन लायन डा.सुनीता सिंह ने किया।

कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष- लायन डा. वीणा दिवेदी, सचिव- लायन हरीश सिन्ह, कोषाध्यक्ष- लायन डा.पी.सी.कोगटा, भगवती कोगटा, चंचल मांडावत, डा. कुसुम कोठारी, डा. निवेदिता पट्टनायक, शा.नु.भाटिया, डा.गुणबाला आमेटा, डा.प्रेरणा भाटी आदि क्लब के सभी सदस्य व प्राचार्य ममता वर्मा उपस्थित थे।

## गोपालन एवं पशुपालन मंत्री ने उदयपुर सरस डेयरी का किया अवलोकन



उदयपुर, 14 नवंबर (सूजस)। प्रदेश के पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोरामन कुमावत ने गुवार को उदयपुर सरस डेयरी का अवलोकन किया। मंत्री श्री कुमावत ने यहां दुग्ध की प्रोसेसिंग, गुण नियंत्रण, दुग्ध उत्पाद निर्माण अनुभाग का अवलोकन कर उदयपुर दुग्ध संघ द्वारा उत्पादित घी, छाछ, लस्सी, पनीर, श्रीखंड, फ्लेवर्ड मिल्क, कुल्फी, मावा एवं पेड़ा निर्माण प्रक्रिया की जानकारी ली एवं उदयपुर दुग्ध संघ द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। स्व. श्री मेवाड़ को दी श्रद्धांजलि: इससे पूर्व मंत्री श्री कुमावत ने पूर्व राजपरिवार के स्व. श्री महेंद्र सिंह मेवाड़ के निधन पर समोर बाग पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के अध्यक्ष डालचंद डांगी एवं प्रबंध संचालक विपिन शर्मा ने भी अपनी संवेदना व्यक्त करते हुये दिवंगत श्री मेवाड़ को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

## महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन वार्षिक सम्मानों में विद्यार्थी वर्ग की प्रविष्टियां आमंत्रित आगामी 2 मार्च 2025 को होगा समारोह, 30 नवम्बर 2024 तक आवेदन स्वीकार



उदयपुर, 14 नवम्बर (कासं)। महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन, उदयपुर द्वारा प्रदान किये जाने वाले महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन का 41वाँ वार्षिक सम्मान समर्पण समारोह 2025 इस वर्ष विद्यार्थी वर्ग के लिए आगामी 2 मार्च को आयोज्य होगा। महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन वार्षिक सम्मान समर्पण समारोह के संयोजक डॉ. मयंक गुप्ता ने आज बताया कि वार्षिक सम्मानों के तहत भामाशाह सम्मान, महाराणा राजसिंह सम्मान एवं महाराणा फतह सिंह सम्मान हेतु 30 नवम्बर 2024 तक आवेदन आमंत्रित किये जाएंगे। सम्मान आगामी 2 मार्च 2025, रविवार को होने वाले 41वें महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन वार्षिक अलंकरण समारोह में फाउण्डेशन के न्यासी डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ द्वारा प्रदान किये जाएंगे। डॉ. गुप्ता ने बताया कि

महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन उदयपुर के 41वें वार्षिक अलंकरण समारोह के सम्मानों के लिए विद्यार्थी वर्ग के सम्मानों में बेचलर डिग्री एवं बेचलर लेवल के डिप्लोमा आदि के लिये भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाएगा। भामाशाह वीर प्रकृति के पुरुष थे और उन्होंने प्रसिद्ध हल्दीघाटी में मुगल सेना के विरुद्ध युद्ध किया। वे सच्चे स्वामिभक्त, वीर, राज्य प्रबंधक और विश्वासपात्र सेवक थे। उनके नाम से भामाशाह सम्मान के लिये राजस्थान स्थित विश्वविद्यालय के विद्यार्थी तथा राजस्थान के वे मूल निवासी विद्यार्थी जो राजस्थान से

बाहर किसी अन्य विश्वविद्यालय से उक्त बेचलर डिग्री या डिप्लोमा वर्ष 2023-24 में पूर्ण किये हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं।

इसी तरह उदयपुर स्थित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थी जो खेलकूद एवं शैक्षणिक-सहशैक्षणिक गतिविधियों में इस वर्ष श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया है वे महाराणा राजसिंह सम्मान के लिए आवेदन कर सकते हैं। महाराणा राजसिंह प्रथम मेवाड़ के 58वें एकलिंग दीवान थे। उनका शासनकाल स्वामिभान और स्वतंत्रता प्रेम के लिए विख्यात रहा। महाराणा राजसिंह ने मुगल बादशाह औरंगजेब के फरमानों के विरुद्ध जाकर श्रीनाथजी, द्वारिकाधीश जी एवं गुसाईं जी परिवार को मेवाड़ में आश्रय देकर राजधर्म निष्ठा का परिचय दिया। इसी तरह महाराणा फतह सिंह सम्मान के लिये उदयपुर स्थित विद्यालयों के विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने

वर्ष 2023-24 में 10वीं एवं 12वीं उच्च अंकों से उत्तीर्ण की है साथ ही इन्हीं परीक्षाओं में उत्तीर्ण वे विद्यार्थी भी आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने खेलकूद एवं शैक्षणिक-सहशैक्षणिक गतिविधियों में वर्ष 2023-24 में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

महाराणा फतह सिंह असाधारण प्रतिभा सम्पन्न व्यक्तित्व के धनी थे। कुल गौरव, देशाभिमान, स्वातंत्र्य-प्रेम एवं आत्म सम्मान उन्हें अपने प्राणों से भी प्रिय था। उन्होंने अपने शासन काल के दौरान साधु-संतों के आदर-सत्कार में सहस्त्रों रुपये दान किये। उन्होंने भारतभर में शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिन्दू विश्वविद्यालय बनारस तथा मेयो कॉलेज के लिए डेढ़-डेढ़ लाख रुपये का दान दिया और इतने ही रुपये भारत-धर्म-महा-मंडल काशी को दिये। महाराणा कर्तव्यबुद्धि, परोपकार वृत्ति एवं कुलाभिमान के कारण बड़े लोकप्रिय हुए।

## शिक्षाविदों का महाकुंभ 'विविभा' आज से गुरुग्राम में

उदयपुर, 14 नवंबर। भारतीय शिक्षण मंडल के युवा आयाम द्वारा संपूर्ण भारत के शिक्षाविदों के महाकुंभ राष्ट्रीय सम्मेलन 'विविभा' (विजन फार विकसित भारत) का शुभारंभ शुक्रवार से एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम में किया जाएगा। यह राष्ट्रीय सम्मेलन 17 नवंबर 2024 तक आयोजित होगा। इस आयोजन में उदयपुर विश्व संवाद केन्द्र की टीम के साथ-साथ संभाग से बड़ी संख्या में शिक्षाविदों व प्रबुद्धजनों द्वारा भागीदारी निभाई जाएगी।

विश्व संवाद केन्द्र उदयपुर की साधारण सभा समिति के सदस्य, गुजरात केंद्रीय शिक्षाविद्यालय में आचार्य व प्राचार्य प्रो. एस के अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डॉ. मोहन भागवत, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष डॉ एस सोमनाथ एवं नोबेल

विजेता कैलाश सत्यार्थी करेंगे। उद्घाटन सत्र के प्रमुख वक्ता प्रसिद्ध भागवताचार्य संजीव कृष्ण ठाकुर (वृंदावन), गीता मनीषी महामंडलेश्वर ज्ञानानंद महाराज, प्रसिद्ध विचारक, लेखक एवं शिक्षाविद डॉ मनमोहन वैद्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य इंदिरा कुमार, भारतीय नौसेना अध्यक्ष दिनेश कुमार त्रिपाठी, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. सतीश रेड्डी होंगे।

1200 शोध आलेख की होंगी प्रस्तुतियां, कई विषयों पर होगी चर्चा : प्रो. अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन हेतु प्राप्त 1 लाख 68 हजार शोध आलेख प्रविष्टियों में से सर्वोत्तम 1200 आलेखों के लेखकों का चयन कर उन्हें सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण एवं सहभागिता हेतु आमंत्रित किया गया है। इसी प्रकार सम्मेलन में

## डॉ. मोहन भागवत, इसरो अध्यक्ष डॉ. एस सोमनाथ और नोबेल विजेता कैलाश सत्यार्थी करेंगे उद्घाटन

विकसित भारत से जुड़े विधि एवं न्याय, सामाजिक सुरक्षा, कला, साहित्य एवं संस्कृति, भारतीय ज्ञान पद्धति, महिला सशक्तिकरण दृष्टि, ज्ञान विज्ञान एवं तकनीक, ग्रामीण विकास एवं स्वरोजगार, वाणिज्य अर्थशास्त्र एवं प्रबंधन, भारतीय शिक्षा- भूत वर्तमान एवं भविष्य, भारतीय इतिहास एवं उज्ज्वल भारत भविष्य दृष्टि, समृद्ध भारत एवं पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों पर गहन मंथन होगा।

**भय्य प्रदर्शनी का रहेगा आकर्षण** : प्रदर्शनी में भारतीय सनातन मूल्यों का आत्म भारत निर्माण में योगदान, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय सनातन संस्कृति के तत्व, अखण्ड भारत, भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं धरोहर, भारतीय इतिहास, वांगमय, संस्कृति, ज्ञान, विज्ञान, कला, विधि, न्याय, साहित्य, भारतीय शिक्षण-प्रशिक्षण पद्धति, भारतीय वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र सामाजिक सुरक्षा, प्राचीन भारत में महिला सशक्तिकरण दृष्टि, जैसे महत्वपूर्ण विषय सम्मिलित होंगे।

**समापन सत्र में योगगुरु स्वामी**

## उदयपुर से भी शिक्षाविद् व प्रबुद्धजन निभाएंगे भागीदारी, टीम विश्व संवाद केन्द्र देगी विशेष योगदान



**रामदेव सहित कई वक्ताओं के उद्घोषण** :-समापन सत्र में कुलाधिपति पतंजलि पीठ स्वामी रामदेव, केंद्रीय शिक्षा मंत्री मंदीर प्रधान, भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री शंकरानंद बी. आर. एवं भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सचिदानंद जोशी का उद्घोषण होगा।

सम्मेलन में अन्य प्रमुख वक्ता भारतीय शिक्षण मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति मुंबई विश्वविद्यालय प्रो. सुहास पेडणेकर, भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय

## बाल दिवस पर नन्हे-नन्हे बालकों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर मन मोहा



उदयपुर, 14 नवम्बर (निर्सं)। गारियावास स्थित महावीर अकादमी सी. सै. स्कूल में 14 नवम्बर 2024 को 131वीं नेहरू जयन्ती के उपलक्ष्य में बड़े उत्साह के साथ बाल दिवस मनाया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के विद्यार्थी उत्साह के साथ प्रतिभागी बने। पण्डित जवाहर लाल नेहरू जयन्ती, कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती को दीप प्रज्वलित कर एवं नेहरू जी को पुष्पमाला अर्पित कर की गई। इस अवसर पर नन्हे बच्चों ने अपने अभिभावकों के साथ विभिन्न वेशभूषा में अपना किरदार निभाया। जिसमें यशोदा संग कन्हैया, राम संग कौशल्या, शिवाजी संग जीजा बाई तथा लक्ष्मी बाई संग दामोदर आदि पात्रों ने सम्मिलित प्रस्तुति दी। बच्चों ने सन्देश परक नृत्य, गीत एवं पर्यावरणीय स्तर की आदर्श एवं गरिमामयी विचित्र वेशभूषा की रंगारंग प्रस्तुति कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये। बच्चों की विचित्र वेशभूषा और नृत्य करते हुए देखा पूरा विद्यालय बगिया और बच्चे बगिया के आकर्षक फूट एवं संस्था के निदेशक प्रणय फतावत के निर्देशन में प्रधानाचार्य अरुण जी त्रिवेदी एवं प्रशासिका सपना गौड़ ने बच्चों को सुनहरे भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रेरणादायी सन्देश प्रेषित किया। संस्था के संस्थापक राजकुमार फतावत ने अपने सम्बोधन में बच्चों को बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने शिक्षकों को उनके जीवन प्रदर्शन की भी सराहना की। खुशी और मोज मस्ती भरे माहौल में अध्यापिकाएँ रजनी गौड़ और सुनिता आमेटा एवं निधि माथुर ने क्रमबद्ध रूप से बड़ी खूबसूरती से कार्यक्रम का संचालन किया। प्रतिभा की प्रांजल प्रस्तुति को पुरुस्कार हेतु चयन करने के लिए निर्णायक की भूमिका अध्यापिकाएँ अनिता जोशी एवं कलावती ने भी बखूबी निभाया। इस अवसर पर कक्षा यूकेजी से सोनाक्षी (सुनिता राजपुत) एलकेजी से धुजय सिंह सोलंकी (चेतना सोलंकी) नर्सरी से महीपाल सिंह (युद्धिका राठौड़) को प्रथम पुरुस्कार से सम्मानित किया गया।

तकनीकी परिषद के अध्यक्ष डॉ अनिल सहस्त्रबुडे, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव प्रो मनीष जोशी, ब्रह्मोस के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा संजीव कुमार जोशी, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो.रघुवंद तंवर, डिक्की के अध्यक्ष पद्मश्री मिलिंद कामले, भारतीय अभिनेता एवं फिल्म निर्देशक पद्मश्री चंद्र प्रकाश द्विवेदी, जेएनयू दिल्ली की कुलपति प्रो. शांति श्री पंडित, भारतीय प्रबंध मंडल अध्ययन संस्थान, बोधगया की निदेशक डॉ विनीता एस सहाय होंगे।

**उदयपुर से पहुंचेंगे कई शिक्षाविद** : भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन विविभा के संयोजन व प्रचार प्रसार का दायित्व विश्व संवाद केन्द्र उदयपुर की साधारण सभा समिति के सदस्य प्रो.सुरेश कुमार अग्रवाल को दिया गया है। विश्व संवाद केन्द्र से जुड़े प्रबुद्धजनों के साथ ही उदयपुर संभा से बड़ी संख्या में शिक्षाविदों द्वारा इस राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी निभाई जाएगी।

## देश के भविष्य को शिक्षा के अवसरों से दिशा दिखाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा हिन्दुस्तान ज़िंक

जिम्मेदार कार्पोरेट के रूप में कंपनी की परियोजनाओं से 2 लाख से अधिक होनहार लाभान्वित

उदयपुर, (कासं)। विश्व की प्रमुख जिंक, लेड और सिल्वर उत्पादक कंपनी हिन्दुस्तान जिंक देश के भविष्य बनने वाले बच्चों को शिक्षा से दिशा दिखाने में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। हिन्दुस्तान जिंक, एकजिम्मेदार कार्पोरेट के रूप में प्रदेश के 2 लाख से अधिक बच्चों को अपनी संचालित विभिन्न शिक्षा परियोजनाओं से उन्हें दिशा दिखाते हुए उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर कर रहा है। आज केबच्चे ही कल के भारत का भविष्य है एवं सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य मिल सके इस उद्देश्य को पूरा करने के लिये प्रदेश के 7 जिलों के स्कूली छात्र छात्राओं को सर्वोत्तम शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने हेतु प्रयास किये जा रहे हैं जिससे वे मजबूत राष्ट्र और बेहतर कल का निर्माण कर सकें।

**बालविकास परियोजना और नंद घर ने बदल दी आंगनवाडी की परिभाषा:** हिन्दुस्तान जिंक द्वारा बच्चों के समग्र विकास के लिये बाल विकास परियोजना का संचालन कर रहा है जिसके तहत प्रदेश के पांच

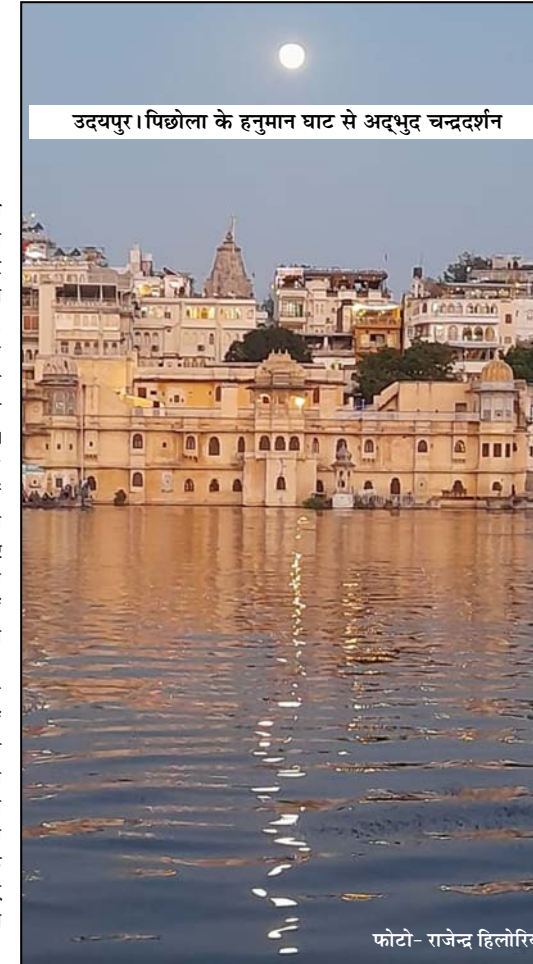


जिलों उदयपुर, सलुंबर, राजसमंद और चित्तौड़गढ़, में 14 आंगनवाडी केंद्रों में आईसीडीएस विभाग के साथ मिलकर बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य किया जा रहा है। परियोजना के तहत आंगनवाडी केंद्रों पर समेकित बाल विकास योजना द्वारा प्रदत्तसभी 6 मुख्य सेवाओं को मजबूत करना है, जिसमें पोषक तत्वों से पूर्ण पूरक पोषाहार उपलब्ध करवाना, शाला पूर्व शिक्षा का सुचारू क्रियान्वयन, रेफरल सुविधाओं और बच्चों के स्वास्थ्य औरस्वच्छता को बेहतर बनाने हुए समुदाय की भागीदारी को बढ़ाना और बुनियादी निर्माण में सहयोग करना है।

हिन्दुस्तान जिंक ने प्रदेश के 15 जिलों में 3292 आंगनवाडी केंद्रों को क्रमोन्नत करते हुए उन्हें डिजिटल लर्निंग केंद्र के रूप में बदल दिया। इन्हें नन्दघर नाम दिया गया। एक आदर्श नन्दघर में बच्चों के लिए हेर सारे खिलौने, ई-लर्निंग के लिए स्मार्ट टीवी, साफ पेयजल के लिए आर ओ, बाल अनुरूप शौचालय, बाल सुलभ चित्रकारी, बिजली सहित सुरक्षित माहौल दिया गया। बच्चों और समुदायका केंद्र से लगाव बढ़ाया और परिजनों ने निजी स्कूलों से बच्चों को वापस केंद्र भेजना शुरू किया। आज नन्दघर बच्चों के प्री स्कूल बनकर उभरे हैं।

**शैक्षिक और खेलों के विकास पर बल:** कंपनी के शिक्षा संबल कार्यक्रम के तहत विज्ञान, गणित और अंग्रेजी विषयों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है। वर्तमान में 72 राजकीय विद्यालयों में 8 हजार से अधिक विद्यार्थी इससेलाभान्वित हो रहे हैं इससे कार्यक्रम से विद्यालयों के बोर्ड परीणाम में भी सुधार हुआ है। शिक्षा संबल परियोजना में विगत 7 वर्षों में 55 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं। उंची उद्घानकार्यक्रम में शिक्षा संबल की नींव पर, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को राष्ट्रीय ख्यातिनाम इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश करने का अवसर प्रदान करने की कोचिंग दी जाती है। अब तक, 300 सेअधिक छात्र इस कार्यक्रम से चुड़े हैं, जो कि जेईई परीक्षा में शामिल हुए हैं। अब तक 6 बैच के विद्यार्थियों को राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश की सफलता हांसिल हुई है एवं वर्तमान में 3 बैच संचालित हैं। हिन्दुस्तान जिंक का मानना है कि बच्चों के समावेशी विकास के लिए उनके विकास के लिए समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

**उदयपुर। गणगौर घाट पर आर्टिफिशियल ज्वेलरी खरीदती महिला पर्यटक - फोटो-राजेन्द्र हिलोरिया**



स्वाइं से बचाव एवं उपचार के लिए तुरन्त असरकारक

## जागृति फिवरिन काढा

स्वाइंफ्लू, डेंगू एवं चिकनगुनिया और उससे उत्पन्न सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार, बदन दर्द इत्यादी में लाभप्रद, शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

### JAGRITI FEVRIN KADA

## Jyoti Stores

(A Leading Merchant in Ayurvedic medicines)

### ज्योति स्टोर्स

Out side Delhi Gate UDAIPUR-313001 (Raj)

अनुभवी चिकित्सा परामर्श भी उपलब्ध, फोन नं. : 2420016 (S)

Email : jagritiherbs@yahoo.co.in. Website : www.jagritiayurved.com